Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 3, Petersburg 1861

र्गम् Pańkat. I,261. स्वनाम्ना विदधे पुरम् Râǵa-Tar. 5,155. 243. व्यधात् 41. व्यधत्त — केशवं चतुरात्मानम् 25. 4,214 (wo विदधे zu lesen ist). 5,45. 162. 266. स दिव्यमिदमुद्यानं सदेवभवनं व्यधात् Kathâs. 6,75. तत्र तत्र त्रितस्तायाः प्रवाहान्नूतनान्व्यधात् Râǵa-Tar. 5,95. व्यधत्त पञ्च शिविरान्स तस्मिन्भिन्नकर्मणि 176. धार्मिकान्विदधत् *Tugendhafte bildend* Khând. Up. 8,15. — 6) *vollbringen, verrichten, bewerkstelligen, bewirken, verursachen, machen, thun:* न पैतृयज्ञियो होमो लौकिके ऽग्नौ विधीयते M. 3,282. श्राद्धकर्माणि विधिवद्विधास्ये R. 1,72,19. पुंसवनादिकाः क्रियाः Ragh. 3,10. विहितयज्ञ Çâk. 193, v. l. एवं सर्वं विधायेदमितिकर्तव्यमात्मनः M. 7,142. विदध्याद्धितमात्मनः 57. MBh. 4,2259. धर्मविगुणाः क्रियाः । वयमेव विदध्मश्चेत् Râǵa-Tar. 4,60. तथा विदध्याम् — कृत्यमाप्त MBh. 5,7452. विधास्ये तत्र तत्त्वतः 7453. विहिताञ्जलि Çiç. 9,14. ऊर्ध्वबाहू विधाय so v. a. *die Arme in die Höhe heben* Pańkat. 40,19. तेनेयं विहिता पूर्वं माया MBh. 3,2557. उपायः N. 24,33. R. 3,40,33. अनुध्यानेन तपसा विधास्यामः शिवं तव MBh. 3,57. न त्वेव रामस्य विधाय पापम् *ein Leid anthun* R. 3,54,27. कथं नु शस्त्रेण वधो मद्विधस्य विधीयते Daç. 1,26. अतः सर्वं विधीयते Vet. 1,8. विदधदीदृशमेव Sâh. D. 12,14. तथा भद्रे विधीयताम् *so werde gethan, so geschehe es* MBh. 3,2173. 2175. तथा विधत्स्व कल्याणि यथा श्रेयो हि नो भवेत् *richte es so ein, dass* 2520. यथा कालात्ययो न स्यात्तथा साधु विधीयताम् R. 1,2,8. Ragh. 3,66. °तोयनुद्वयानि विदधाति *verursacht, bewirkt* Varâh. Bṛh. S. 7,18. (शशिपुत्रः) सप्रमदं शयनं विधत्ते 104,23. अर्बुनो विदधे मृत्युम् R. 1,75,23. साध्ये सिद्धिर्विधीयताम् Hit. II,13. वेलातिक्रमम् Pańkat. 55,5. Amar. 59. Prab. 15,8. Râǵa-Tar. 5,234. Çiç. 4,55. 9,59. मल्लम् *Rath halten* Vet. 3,13. Kathâs. 15,118. राज्यम् *die Herrschaft führen, sich der Herrschaft bemächtigen, regieren* Râǵa-Tar. 5,242. 231. सचिवताम् *die Würde eines Ministers bekleiden* 389. सखीवेशम् *die Kleider der Freundin anlegen* Amar. 41. उत्तरासङ्गं विधाय Pańkat. 236,8. शृङ्गारं विधाय Pańkat. ed. orn. 32,20 (vgl. कृतशृङ्गारा 24). स्वागतप्रश्नादि *Fragen stellen* Çuk. 41,8. पूजाम् *Ehre erweisen* Hit. 27,5. Vet. 7,1. देवार्चनम् Pańkat. 34,21. सेवनम् Râǵa-Tar. 1,123. नतिम् Kathâs. 26,280. शीलीवनामम् Bhâg. P. 1,6,26. आतिथ्यम् Hit. 27,2. भोक्तम् Vid. 122. रक्षाम् Bhâg. P. 1,8,13. 6,8,10. भोजनम् Vet. 29,8. अपमार्गम् Çiç. 9,36. चुम्बनम् Râǵa-Tar. 5,383. निर्लुण्ठनम् Sâh. D. 40,7. Pańkat. 9,23. 40,20. शौचम् *sich reinigen* 35,9. लज्जाम् *Scham an den Tag legen* Bhartṛ. 1,59. Kathâs. 1,45. मैत्र्यम् *Freundschaft schliessen* Hit. 25,15. v. l. संधिम् *Frieden schliessen* 109,1. कलहम् *Streit beginnen* Bhaṭṭ. 12,33. संग्रामम् Râǵa-Tar. 5,288. कोलाहलम् *ein Geschrei erheben* Vid. 177. — 7) *machen zu, reddere;* mit dem acc. des Objects und Prädicats: प्रवीणाः प्रेषणाद्यन्तो धर्माध्यन्तो विधीयते Kâṇ. 102. fg. नाम् । गान्धर्वविधिना गुप्तं भार्यां व्यधित Kathâs. 10,146. नृपम् — पुनः पार्थं व्यधुः Râǵa-Tar. 5,294. तेषु जम्बूद्वीपेषु — एकमेकमेवाधिपतिं विदधे Bhâg. P. 5,1,34. जीमूतवाहनं तं च नाम्ना स विदधे पिता Kathâs. 22,23. 26,279. अलब्धफलनीरसं मम विधाय तस्मिञ्जने समागममनोरथम् Vikr. 30. Çrut. 29. एतान् — यथा द्रागनन्यसदृशानि विदधासि तथा कार्यम् Pańkat. 4,25. पुत्रं शय्यायां सुस्थितं विधाय 238,16. Kathâs. 4,48. 5,82. 6,167. 13,196. Vid. 59. Z. d. d. m. G. 14,574,9. Râǵa-Tar. 1,108. 121. 3,93. 5,83. 169. 230. 385. Bhâg. P. 1,4,19. Daçak. in Benf. Chr. 184,22. 185,16. — 8) *sich Etwas angelegen sein lassen:* तस्माद्बलं च कोषश्च (so ist zu lesen) नीतिश्चापि विधीयताम् । यथा कालोदये प्राप्ते सम्यक्तैः संदधामहे ॥ MBh. 4,964. — 9) *legen auf:* विधाय — भारं योगंधरायणे Kathâs. 21,3. *stellen:* तामग्रतः — अनूपराजस्य — विधाय Ragh. 6,37. *stecken —, legen in:* घृतपूर्णेषु कुम्भेषु तान्भागान्विदधे MBh. 3,8850. कारावेश्मनि तं व्यधात् Râǵa-Tar. 2,73. स्वचेष्टितमयो तस्मिन्विदधाति मणाविव Prab. 16,9. तत्सर्वं कर्तव्यं हृदये व्यधात् *dem Herzen einprägen* Kathâs. 13,12. *richten auf:* योगे धैर्यसमाधिसिद्धिसुलभे बुद्धिं विधद्ध्वं (so ist zu lesen) बुधाः Bhartṛ. 3,36. व्यवसायात्मिका बुद्धिः समाधौ न विधीयते Bhag. 2,44. त्यज्यतां मानुषे भावो मयि भावो विधीयताम् R. 3,55,17. — 10) *ablegen:* यो ऽस्मान्विदधतो (निदधतो?) द्रष्टा भवेच्छम्बाणि MBh. 4,155. — 11) *abordnen, absenden:* चारान् (Kull. प्रस्थाप्य) M. 7,184; vgl. प्रतिवि. — 12) *Jmd behandeln:* तथा विधातुं जननीं ममार्हसि । यथा — न यमक्षयं व्रजेत् R. 2,38,17. — 13) विहित *versehen mit, in Besitz von:* अन्नपानैः सुविहिताः R. 1,13,16. सर्वकामैः सुविहिता MBh. 3,2711. अद्य सर्वे धनाध्यक्षा धनमादाय पुष्कलम् । व्रजन्त्वयोध्यां सुविहिता नानारत्नसमन्विताः wohl *mit Allem reichlich versehen* R. 1,69,2. — 14) विधाय बुद्ध्या द्वाराणि Mârk. P. 41,20 fehlerhaft für पिधाय. — Vgl. विधा, °धातर्, °धान, °धि, °धेय, °हिति. — caus. *legen lassen:* पादयोः शकटं चक्रुरन्तरोरावुदूखलम् । वानस्पत्यानि चान्यानि अन्तरे ऽपि व्यधापयन् ॥ R. 6,96,13. — desid. 1) *zu verleihen beabsichtigen:* अनामरूपात्मनि रूपनामनी विधित्समानः Bhâg. P. 1,10,22. — 2) *festzusetzen versuchen, versuchen Etwas als ausgemacht hinzustellen:* तथा प्रतिष्ठागुणं विधित्सन्नाह Çaṅk. zu Bṛh. Âr. Up. p. 118. एवं प्राणविज्ञानवतो जपकर्म विधित्स्यते 119. कर्म वक्ष्यमाणमन्त्रजपलक्षणं विधित्समानं (lies °धित्स्यमानं) तदेतानि जपेदिति 66. — 3) *beabsichtigen zu vollbringen u. s. w., beabsichtigen:* सो ऽहं नैवाकृतं पूर्वं चेरयं विधित्समानः किमु तत्र साधु MBh. 1,3657. ब्रह्मणः — प्रजासर्गं विधित्सतः Hariv. 1311. वैरस्यान्तं विधित्सन् 6460. भगवांस्तद्विधित्सति Bhâg. P. 3,16,35. विधित्सित n. *Absicht* 1,9,16. विधित्समान *bestimmte Absichten habend, bestimmte Zwecke verfolgend* MBh. 3,13952. क उपायं विधित्सेत् so v. a. *wer sollte gar schon an ein Mittel denken?* Bhâg. P. 4,6,7. आत्मानमप्रतिद्वन्द्वमेकराजं व्यधित्सत *er dachte daran sich zum Alleinherrscher zu machen* 7,3,1.

— अतिवि *hinaus über* (ein Maass) *vertheilen:* य एकशतविधमतिविधत्ते Çat. Br. 10,2,3,18.

— अधिवि *vertheilen über Etwas hin:* चिते ह्यस्मिन्होत्रा अधिविधीयन्ते Çat. Br. 6,3,1,16. एतदधिविधाय Taitt. Up. 1,7.

— अनुवि 1) *der Reihe nach anweisen.* med.: आनुपूर्व्यं हविषां दैवत उच्चैरुपांशुतायां चाधर्युमनुविदधीत Çâṅkh. Çr. 13,1,3. Lâṭ. 5,2,2. ऋचां विपर्यासम् Çâṅkh. Çr. 13,1,6. वृत्तिं च तेभ्यो (पुत्रेभ्यः) ऽनुविधाय कांचित् MBh. 5,1372. — 2) *nach Jmd veranstalten:* अर्क एक तदर्क्यमनु विधीयते TS. 5,3,4,7. — 3) *nachher bewirken, bewirken, bewerkstelligen:* प्रबोधोदयमनुविधास्यन्ति (v. l. अनुध्यास्यन्ति) Prab. 68,5. प्राणानां स्थितिमनुविधातुम् Çântiç. 1,17. — 4) pass. *sich richten nach* (acc. gen.): उपतिष्ठति तिष्ठन्तं गच्छन्तमनुगच्छति । करोति कुर्वतः कर्म छायेवानुविधीयते ॥ MBh. 12,6753. तं चैव धर्मं पौराणम् — अद्याप्यनुविधीयते 1,4721. आत्मनो मतमुत्सृज्य तं लोको ऽनुविधीयते 12,3509. Hariv. 7221. त्वमप्यनुविधाय माम् R. 2,22,26. इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनो ऽनुविधीयते Bhag. 2,67 (= MBh. 3,13945. 6,945). नास्य कर्मणि जन्मादौ परस्यानुविधीयते

Institute of Indology & Tamil Studies, Cologne University, Germany 9.2.2007